श्रीमत् वेदान्त रामानुज मुनि करुणालब्ध वेदान्त युग्मम्
श्रीमत् श्रीवास योगीश्वर गुरुपदयोर्पित स्वात्मभारम्
श्रीमत् श्रीरङ्गनाताह्वय मुनिकृपया प्राप्त मोक्षाश्रमं तं
श्रीमत् वेदान्त रामनुज मुनिमपरम् संश्रये देशिकेन्द्रम्

श्रीमत् श्रीवास योगीश्वर मुनि करुणालब्ध वेदान्त युग्मम्
श्रीमत् वेदान्त रामानुज गुरुपदयोर्पित स्वात्मभारम्
श्रीमत् श्रुत्यन्त रामानुज यति नृपतेः प्राप्त मोक्षाश्रमं तं
श्रीमत् श्रीवास रामनुजमुनिं संश्रये ज्ञानवार्धिम्

वेदान्त लक्ष्मण मुनीन्द्र कृपात्त बोधम्
तत्पाद युग्म सरसीरुह भृङ्गराजम्
त्रय्यन्त युग्म कृतभूरि परिश्रमं तं
श्रीरङ्ग लक्ष्मणमुनिम् शरणं प्रपद्ये

श्री रङ्गनायिका अष्टोत्तर शतनामावळिः

shrI ra~NganAyikA aShTottara shatanAmAvaLiH

श्री रङ्गनायिका अष्टोत्तर शतनामावळिः

ओं श्रियै नमः
ओं लक्ष्म्यै नमः
ओं कमलायै नमः
ओं देव्यै नमः
ओं मायै नमः
ओं पद्मायै नमः
ओं कमलालयायै नमः
ओं पद्मेस्थितायै नमः
ओं पद्मवर्णायै नमः
ओं पद्मिन्यै नमः
ओं मणि पङ्कजायै नमः
ओं पद्मप्रियायै नमः
ओं नित्यपुष्टायै नमः
ओं उदारायै नमः
ओं पद्ममालिन्यै नमः
ओं हिरण्यवर्णायै नमः
ओं हरिण्यै नमः
ओं अर्कायै नमः
ओं चन्द्रायै नमः
ओं हिरण्मय्यै नमः
ओं आदित्यवर्णायै नमः
ओं अश्वपूर्वायै नमः
ओं हस्तिनाद् प्रबोधिन्यै नमः
ओं रथमध्यायै नमः
ओं देवजुष्टायै नमः
ओं सुवर्ण रजतस्त्रजायै नमः
ओं गन्ध ध्वारायै नमः
ओं दुराधर्षायै नमः
ओं तर्पयन्त्यै नमः
ओं करीषिण्यै नमः
ओं पिङ्गळायै नमः
ओं सर्व भूतानां ईश्वर्यै नमः
ओं हेममालिन्यै नमः
ओं कांसोस्मितायै नमः
ओं पुष्करिण्यै नमः
ओं ज्वलन्त्यै नमः
ओं अनपगामिन्यै नमः
ओं सूर्यायै नमः
ओं सुपर्णायै नमः
ओं मात्रे नमः
ओं विष्णुपत्न्यै नमः
ओं हरि प्रियायै नमः
ओं आर्द्रायै नमः
ओं पुष्करिण्यै नमः
ओं गङ्गायै नमः
ओं वैष्णव्यै नमः
ओं हरिवल्लभायै नमः
ओं श्रयणीयायै नमः
ओं हिरण्यप्राकारायै नमः
ओं नळिनालयायै नमः
ओं विश्वप्रियायै नमः
ओं महादेव्यै नमः
ओं महालक्ष्म्यै नमः
ओं वरायै नमः

श्री रङ्गनायिका अष्टोत्तर शतनामावळिः

ओं रमायै नमः

ओं पद्मालयायै नमः

ओं पद्महस्तायै नमः

ओं पुष्ट्यै नमः

ओं गन्धर्व सेवितायै नमः

ओं आयास हारिण्यै नमः

ओं विद्यायै नमः

ओं श्रीदेव्यै नमः

ओं चन्द्रसहोदर्यै नमः

ओं वरारोहायै नमः

ओं भृगुसुतायै नमः

ओं लोकमात्रे नमः

ओं अमृतोद्भवायै नमः

ओं सिन्धुजायै नमः

ओं शार्ङ्गिण्यै नमः

ओं सीतायै नमः

ओं मुकुन्दमहिष्यै नमः

ओं इन्दिरायै नमः

ओं विरिन्च जनन्यै नमः

ओं धात्र्यै नमः

ओं शाश्वतायै नमः

ओं देव पूजिताय नमः

ओं दुग्धायै नमः

ओं वैरोचन्यै नमः

ओं गौर्यै नमः

ओं माधव्यै नमः

ओं अच्युत वल्लभायै नमः

ओं नारायण्यै नमः

ओं राजलक्ष्म्यै नमः

ओं मोहिन्यै नमः

ओं सुरसुन्दर्यै नमः

ओं सुरेश सेव्यायै नमः

ओं सावित्र्यै नमः

ओं सम्पूर्ण आयुष्कर्यै नमः

ओं सत्यै नमः

ओं सर्वदुःख हरायै नमः

ओं आरोग्य कारिण्यै नमः

ओं सत्कळत्रिकायै नमः

ओं सम्पत्कर्यै नमः

ओं जैत्र्यै नमः

ओं सत्सन्तान प्रदायै नमः

ओं इष्टदायै नमः

ओं विष्णुवक्षस्स्थल वासायै नमः

ओं वराह्यै नमः

ओं वारणार्चितायै नमः

ओं धर्मज्ञायै नमः

ओं सत्यसङ्कल्पायै नमः

ओं सच्चिदानन्द विग्रहायै नमः

ओं धर्मदायै नमः

ओं धनदायै नमः

ओं सर्वकामदायै नमः

ओं मोक्षदायिन्यै नमः

ओं सर्वशत्रु क्षयकर्यै नमः

ओं सर्वाभीष्ट फलप्रदायै नमः